2021-2022

Name of the Department/Society: हिंदी साहित्य परिषद्, हिंदी विभाग, हंसराज महाविद्यालय
Name of the Event 4: स्वाधीनता आंदोलन और हिंदी साहित्य
Date of the Event: 12-11-2021

प्रभारी : डॉ. नीतू शर्मा

परामर्शदाता : डॉ. राजेश कुमार शर्मा

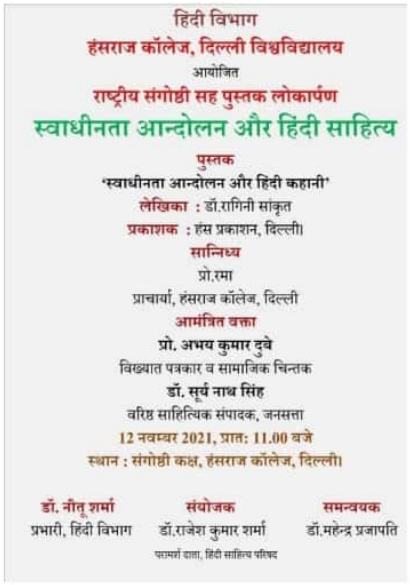

हिंदी साहित्य परिषद्, हिंदी विभाग, हंसराज महाविद्यालय द्वारा संचालित 12 नवंबर 2021 को "स्वाधीनता आंदोलन और हिंदी साहित्य" पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में "स्वाधीनता आंदोलन और हिंदी कहानी" नामक पुस्तक का लोकार्पण भी किया गया जिसकी लेखिका डॉ. रागिनी सांकृत हैं कार्यक्रम में आमंत्रित वक्ता के तौर पर विख्यात पत्रकार एवं सामाजिक चिंतक प्रो. अभय कुमार दुबे तथा डॉ. सूर्य नाथ सिंह वरिष्ठ साहित्यिक संपादक, जनसत्ता उपस्थित थे। हंसराज महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. रमा ने आमंत्रित लेखिका एवं वक्ताओं का स्वागत संबोधन करके स्वागत किया। प्रो. अभय कुमार दुबे कहते हैं – "भारत-भारती' के रचयिता मैथिलीशरण गुप्त 'राष्ट्रकवि' कहलाए, तो वहीं माखनलाल चतुर्वेदी ने 'पुष्प की अभिलाषा' लिखकर जनमानस में सेनानियों के प्रति सम्मान के भाव जागृत किए। मैथिलीशरण गुप्त की कुछ पंक्तियों को बताते हुए "जिसको न निज गौरव तथा निज देश का अभिमान है।

वह नर नहीं, नर-पशु निरा है और मृतक समान है" प्रो. अभय कुमार दुबे जी ने इसी प्रकार अन्य कवियों तथा उनके योगदान को बताते हुए एक बात कहते हैं कि किस प्रकार स्वाधीनता आंदोलन और हिंदी साहित्य आपस में जुड़े हुए हैं।

Scanned with CamScanner

कार्यक्रम में डॉ. सूर्य नाथ सिंह सुभद्रा कुमारी चौहान की रचना 'झांसी की रानी' किस प्रकार अंग्रेजों को ललकारती हुई दिखाई दे रही है उस पर बात करते हैं। हंसराज महाविद्यालय में संपन्न हुए इस कार्यक्रम का संचालन हंसराज महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. महेंद्र प्रजापति ने किया इस कार्यक्रम में विभिन्न महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।

Scanned with CamScanner